Bihar Board Class 6 Social Science History Notes
Chapter 14 हमारे इतिहासकार के.पि. जायसवाल, ए.एस.अल्तेकर

पाठ का सारांश

- डा० अनंत सदाशिव अल्तेकर महान पुरातत्वविद् एवं इतिहासकार थे।
- डा० अल्तेकर ने पटना वि०वि० में योगदान के पूर्व बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में पुरातत्व, मुद्राशास्त्र एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए ... प्रशंसनीय कार्य किया।
- बिहार के राज्यपाल आर० आर० दिवाकर द्वारा संपादित पुस्तक 'बिहार श्रू द एजेज' के प्रकाशन में डा० अल्तेकर का महत्वपूर्ण योगदार रहा।
- डा० अल्तेकर पटना विश्वविद्यालय से अवकाश करने के बाद के०पी० जायसवाल शोध संस्थान के पूर्णकालिक निदेशक बने और जीवन पर्यन्त रहे।
- डा० अल्तेकर ने कुम्हरार, वैशाली और सोनपुर आदि जगहों का उत्खनन भी करवाया।
- डा०अल्तेकर छात्र जीवन से ही प्रतिभा सम्पन्न एवं अत्यंत मेधावी थे।
- डा०अल्तेकर को 1954 में अमेरिका में अतिथि व्याख्याता के रूप में बुलाया गया। इसी वर्ष भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान देने वेस्टइंडीज गए।
- काशी प्रसाद जयसवाल मिर्जापुर उत्तर प्रदेश के निवासी थे लेकिन इनकी कर्मभूमि पटना थी।
- काशी प्रसाद जयसवाल की आर्थिक स्थिति बचपन से अच्छी नहीं थी।
- काशी प्रसाद जयसवाल ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से इतिहास में एम०ए० की डिग्री हासिल की।
- 1910 में स्वदेश लौटकर कलकत्ता में इन्होंने वकालत शुरू किया।
- जायसवाल साहब पुरालिपि और प्राचीन मुद्रा के ज्ञाता थे।
- जायसवाल साहब बिहार एण्ड उड़ीसा रिसर्च सोसायटी के संस्थापक सदस्य थे।
- के०पी० जायसवाल को एक दूसरी पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ इंडिया' (150 ई० से 350 ई० तक) 1930 में प्रकाशित हुई।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/